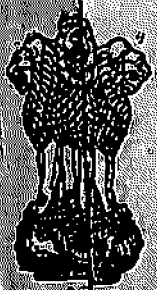

२ संख्या १

सत्यमेव जयते

बिहार विधान सभा वादवृत्त

सरकारी रिपोर्ट

[...]ार, तिथि २८ जनवरी, १९५३ ।

---

ol. II. No. 1

The Bihar Legislative Assembly Debates

Official Report.

[...]nesday, the 28th January, 1953.

अधीक्षक, राजकी[...]ालय, बिहार,

मूल्य—६ आ[...]
Price—A[...] 6.]

बिहार विधान सभा वादवृत।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य विवरण सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में मंगलवार, तिथि १७ फरवरी १९५३ को पूर्वाह्न ११ बजे में माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्म्मा के सभापतित्व में हुआ।

अल्प-सूचना प्रश्नोत्तर।

Short Notice Questions and Answers.

म्युनिसिपल कारपोरेशन की ओर से डस्टबीन की व्यवस्था।

A ९। श्री शिवनन्दन राम—क्या मंत्री, स्थानीय स्वायत-शासन विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या पटना म्यूनिसिपल कारपोरेशन की ओर से स्थान-स्थान पर डस्टबीन रखने की व्यवस्था की गई है;

(ख) क्या कारपोरेशन को बाजार दर से अधिक कीमत में डस्टबीन खरीदना पड़ा है।

(ग) यदि खंड (ख) का उत्तर स्वीकारात्मक है तो इसका कारण क्या है?

श्री भोला पासवान—(क) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(ख) और (ग) उत्तर नकारात्मक है। डस्टबिन के लिए कॉरपोरेशन ने उचित विज्ञापन किया था और विभिन्न टेंडरों की जांच के बाद अति संस्पर्धीदर पर ही डस्टबिन खरीदे गए हैं।

श्री महाबीर प्रसाद—क्या सरकार बतायेगी कि डस्टबिन जो खरीदे गए हैं उनकी क्वालीटी बाजार में मिलने वाली डस्टबिनों से अच्छी है या बुरी?

श्री भोला पासवान—टेंन्टर जब मांगा गया और जिनका टेंडर आया उन्हीं लोगों के डस्टबिनों में जो दाम और क्वालिटी के ख्याल से अच्छा निकाल लिया गया।

श्री महाबीर प्रसाद—क्या सरकार बताएगी कि एक डस्टबिन कितने दाम में खरीदा गया?

श्री भोला पासवान—टेंडर अभी नहीं देखा है। जो रिपोर्ट मेरे पास है उसी के आधार पर म ने उत्तर दिया है।

श्री महाबीर प्रसाद—क्या सरकार ने इन्क्वायरी किया है कि ये डस्टबिन बाजार से क्यों ज्यादा दाम में खरीदे गए क्योंकि बाजार के दर से ज्यादा कीमत में ये खरीदे गए हैं?

श्री भोला पासवान—टेंडर में जो कम दाम और अच्छा पाया गया खरीदा गया।

A सदस्य—की अनुपस्थिति में श्री महाबीर प्रसाद के अनुरोध से उत्तर दिया गया।

श्री भोला पासवान—(क) इसका विवरण पत्र मेज पर है ?।

(ख) इस संबंध में सरकार के पास कोई रिपोर्ट उपलब्ध नहीं है। रिपोर्ट मांगी गयी है।

श्री बबुए लाल महतो—कब तक रिपोर्ट मिलने की उम्मीद है ?

श्री भोला पासवान—कोई निश्चित समय और तारीख बताना मुश्किल है।

बिन्दा पासवान की छात्रवृत्ति का रोका जाना।

*१२९। श्री बबुए लाल महतो—क्या मंत्री, कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि बिन्दा पासवान को १९५१-५२ में हराही मिडिल स्कूल, दरभंगा के छठवें वर्ग में छात्रवृत्ति मिलती थी ;

(ख) यदि खंड (क) का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सन् १९५२-५३ में जब कि वह लड़का सालाना परीक्षा पास करके ७वें वर्ग में आया तो वह छात्रवृत्ति रोक क्यों दी गई ;

(ग) क्या यह बात सही है कि उस लड़के को, गत मई और जून महीने में इसकी सूचना हर जगह भेजने पर भी कैजुअल एवार्ड से भी छात्रवृत्ति नहीं मिली जिसका वितरण अगस्त महीने में हुआ था ?

श्री भोला पासवान—(क) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(ख) जब वह लड़का १९५२-५३ ई० में ७वें वर्ग में गया तो उसकी छात्रवृत्ति की पुनः स्वीकृति का आवेदन-पत्र जिला हरिजन कल्याण आफिसर, दरभंगा के पास नहीं मिला।

(ग) आवेदन-पत्र न मिलने पर छात्रवृत्ति स्वीकृत न होना स्वाभाविक ही था जब अन्त में सूचना मिली उस समय रुपये बचे हुए नहीं थे।

श्री बबुए लाल महतो—मैं यह जानना चाहता हूँ कि लड़कों की ओर से भेजी गई दरखास्तों का रेकर्ड मिनिस्टर के पास होगा या नहीं ?

श्री भोला पासवान—जो रेकर्ड था उसको देखकर ही पता चला कि उस लड़के की दरखास्त नहीं आई थी।

श्री बबुए लाल महतो—क्या माननीय मंत्री उस रेकर्ड को टेबुल पर रखने की कृपा करेंगे ? उससे पता लग जायेगा कि किसने दरखास्त दी थी और किसने नहीं ?

अध्यक्ष—क्या आपके पास रजिस्ट्री की रसीद है ?

श्री बबुए लाल महतो—रेकर्ड देखने से ही पता चल जायेगा। जहां तक मैं जानता हूं इसके लिये कोई रेकर्ड मेनटेन नहीं किया जाता है।

अध्यक्ष—सब को मिल गया और केवल इसी लड़के को छात्रवृत्ति नहीं मिली ?

श्री बबुए लाल महतो—जी हां। रेकर्ड नहीं रहता है।

अध्यक्ष—ऐसी बात है।

श्री बबुए लाल महतो—जी हां।

हरिजन छात्रों की छात्रवृत्तियों का हड़पा जाना।

*१३०। श्री बबुए लाल महतो—क्या मंत्री, कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) दरभंगे जिले में कितने हरिजन छात्रों की छात्रवृत्तियां शिक्षकों द्वारा हड़प लेने की सूचना सरकार को इस साल मिली है;

(ख) यदि खंड (क) का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो उसमें कितने हाई स्कूल हैं और कितने मिडिल स्कूल और उस पर क्या कारंवाइयां की गई हैं;

(ग) क्या छात्रों की छात्रवृत्तियां हड़प लेने की घटना हराही म्युनिसिपल मिडिल इंगलिश स्कूल, दरभंगा में घटी है जिसकी जांच जिला हरिजन कल्याण अफसर द्वारा हो चुकी है;

(घ) यदि खंड (ग) का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या रिपोर्ट आयी है ?

श्री भोला पासवान—(क) सिर्फ चार हरिजन छात्रों की छात्रवृत्तियां हड़प लेने की सूचना सरकार को मिली है।

(ख) एक हाई स्कूल, दो मिडिल स्कूल और एक लोअर प्राइमरी स्कूल। एक मिडिल स्कूल के प्रधानाध्यापक के विरुद्ध धारा ४०६ के अनुसार मुकदमा चलाया गया है तथा दूसरे बोर्ड मिडिल स्कूल द्वारा छात्रवृत्ति हड़प जाने की खबर झूठी साबित हुई जांच करने पर। एक हाई स्कूल तथा एक लोअर प्राइमरी स्कूल के प्रधानाध्यापकों के विरुद्ध जांच जारी है।

(ग) यह घटना हराही म्युनिसिपल मिडिल स्कूल की थी परन्तु डिवीजनल हरिजन कल्याण अफसर द्वारा स्थानीय जांच के बाद यह गलत साबित हुई।

(घ) उत्तर [ग] से स्पष्ट है।